प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

जनजातीय महिलाओं के लिए पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पंतनगर। 18 मार्च 2026। विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से वित्तपोषित जनजातीय उप–योजना के अंतर्गत 17–18 फरवरी 2026 को 'मूल्य संवर्धन के द्वारा आजीविका संवर्धन हेतु प्रोत्साहनरु' विषय पर दो–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकासखंड खटीमा के ग्राम गुरुखेड़ा की अनुसूचित जनजाति की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय डा. सुभाष चंद्र एवं निदेशक संचार डा. जे. पी. जायसवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन जनजातीय उप–योजना की प्रधान अन्वेषक डा. अर्पिता शर्मा कंडपाल के निर्देशन में किया गया।

अपने संबोधन में डा. सुभाष चंद्र ने कहा कि मूल्य संवर्धन के माध्यम से ग्रामीण एवं जनजातीय महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने महिलाओं को कृषि आधारित उद्यमों को अपनाने तथा स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डा. जे. पी. जायसवाल ने कहा कि तकनीकी ज्ञान के साथ–साथ संचार कौशल भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने महिलाओं को प्राप्त ज्ञान का प्रसार अपने समुदाय में करने तथा समूह आधारित कार्यों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की सलाह दी। डा. अर्पिता शर्मा कंडपाल ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनजातीय महिलाओं को तकनीकी ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान कर उनकी आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण के दौरान सैद्धांतिक व्याख्यानों के साथ–साथ व्यावहारिक प्रदर्शन भी आयोजित किए गए, जिनमें नर्सरी प्रबंधन, पौधारोपण, जैविक खेती, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा कटाई उपरांत प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें नई जानकारी के साथ आत्मविश्वास भी प्राप्त हुआ है। यह कार्यक्रम जनजातीय महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।